(c) the action initiated Government in this regard;

(d) the steps taken to stop the killings of such animals there; and

(e) the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Yes, Sir.

(b) The State Government have reported poaching of nine elephants since January, 1994.

(c) to (e) The Cnief Widlife Warden has issued instruction to field officers to trengthen the intelligence network and also to intensify patrolling in the Similipal Tiger Reserve to check poaching activities.

ब्रिटेन में हिन्दू मंदिर को बन्द किया जाना

2074. **प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ब्रिटेन के पू हर्त फोर्डशायर स्थित एक हिन्दू मंदिर को बन्द किया जा रहा है जिससे ब्रिटेन और भारत में रहने वाले हिन्दुओं में असंतोष और चिंता ब्याप्त है ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इसमें हस्तक्षेप कर संबद्ध अधिकारियों से इस समस्या का सौहादपूर्ण और संतोषजनक ढंग से समाधान करने के लिये अनुरोध करने का विचार रखती है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री (सलमान खूर्शीद): (क) सरकार को इस बात की जानकारी है कि हर्तफोर्डशायर में हिन्दू मंदिर के रूप में भक्ति वेदांत मेनौर को सतत् कार्य करने देने के बारे में मंदिर प्रबंध मंडल तथा स्थानी हर्तस्मेर परिषद के बीच बातचीत चल रही है । यू०के० में भारतीय मूल के समुदाय के लोगों द्वारा व्यक्त चिंता को देखते हुये मंदिर को बन्द करने से संबद्ध प्रस्ताव पर निर्णय आस्थगित कर दिया गया है और हर्तस्मेर परिषद इस विषय पर अक्तूबर, 1994 में और आगे बातचीत करेगी ।

(ख) वास्तव में यह एक ऐसा मामला है जिसके संबंध में निर्णय यू०के० के कानूनी तथा राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में लिया जाना है। लन्दन स्थित द्वारा हमारा हाई कमीशन संभव सीमा तक सभी संबंधियों से अनौपचारिक संपर्क बनाये हुये है और उम्मीद है कि इस मसले का कोई सौहार्दपूर्ण हल ढूंढ लिया जायेगा ।

सौराष्ट्र में एक प्रथम क्षेत्रीय पारपत्र कार्यालय खोला जाना

2075. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान क्षेत्रीय पारपत्र कार्यालय, अहमदाबाद को सौराष्ट्र क्षेत्र से जिला-वार कितने आवेदकों के आवेदन-पत्र प्राप्त हुये हैं और उनमें से कितने आवेदकों को पारपत्र जारी किये गये हैं ;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इस क्षेत्र के कितने आवेदकों के आवेदन-पत्र विचाराधीन है ;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 तक सौराष्ट्र क्षेत्र से पारपत्रों के लिये जिला-वार कितने नये आवेदन-पत्र प्राप्त हुये हैं ;

(घ) क्या सरकार इस क्षेत्र की मांग को ध्यान में रखते हुये सौराष्ट्र क्षेत्र में एक पृथक पारपत्र कार्यालय खोलने का विचार रखती है ; और

(ड) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है । **(नीचे** देखिए) ।

(ख) विचाराधीन आवेदकों की संख्या 2230 है;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार सौराष्ट्र क्षेत्र से प्राप्त नए पासपोर्ट आवेदनों की संख्या 80182 थी ।

(घ) सौराष्ट्र क्षेत्र में एक अलग से पासपोर्ट कार्यालय खोलने का अभी प्रस्ताव नहीं है ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

विवरण

	1991*	1992*	1993
प्राप्त आवेदनों की संख्या			
राजकोट	4940	5333	5072
जामनगर	5700	5551	4522
जूनागढ़/पोरबंदर	7374	6322	5781
पोरबन्दर			
सुरेन्द्र नगर	372	392	545
भावनगर	1967	1943	480
अमरेली	770	749	1452
कच्छ/भुज	7627	7162	6562
योग :	28750	27452	23980
जारी पासपोर्टों की संख्या			
	*लागू नहीं	*लागू नहीं	21750

*इस प्रकार जिले-वार सूचना नहीं रखी गई थी ।

संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने के गुट-निरपेक्ष आंदोलन के प्रस्ताव पर भारत का दृष्टिकोण

2076. **श्री के० एम० खान** : क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गुट-निरपेक्ष देशों के विदेश-मंत्रियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने की मांग विषयक प्रस्ताव की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या इस तरह के प्रस्ताव से विश्व के विकासशील देशों में शांति और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा ;

(घ) क्या सरकार विश्व के विकासशील देशों में अग्रणी होने के नाते इस संबंध में कोई पहल करने का विचार रखती है ; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) से (ङ) एक लम्बे समय से गुटनिरपेक्ष आन्दोलन यह मानता आया है कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार होने चाहिए । संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के प्रति गुटनिरपेक्ष देशों के बीच एक आमराय कायम करने में भारत ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । यो विकासशील देशों में शांति और उनकी समृद्धि को सुदृढ़ करेगा । भारत अन्य विकासशील देशों के साथ न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर विचार विमर्श में लगा हुआ है।